केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, दिल्ली

(संसदः अधिनियमेन स्थापितः)

स्वतन्त्रतायाः अमृतमहोत्सवः

ISSN : 0975-2676

नवशृङ्खला 04

संस्कृतवार्ता

त्रैमासिकं वार्तापत्रम्

वर्षम्-12 | वैक्रमाब्दः 2079 | अश्विनशुक्ल 6 - पौषशुक्ल 9 | अक्टूबर - दिसम्बर 2022

समुद्घाटितं हिन्दू-अध्ययनकेन्द्रम्

विद्यावाचस्पतिः इत्युपाधिना विभूषितः प्रो. श्रीनिवासवरखेडी

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य कुलपतिः प्रो. श्रीनिवासवरखेडीवर्यः विद्यावाचस्पतिः (डी.लिट्) इति मानदोपाधिना कविकुलगुरु-कालिदाससंस्कृतविश्वविद्यालयस्य दीक्षान्तसमारोहे महाराष्ट्रराज्यस्य महामहिमराज्यपालेन भगतसिंहकोश्यारीमहोदयेन सम्मानितः।

समाचरितः स्थापनादिवससमारोहः

केन्द्रीयविश्वविद्यालयस्य 52तमः स्थापनादिवससमारोहः स्थापनासप्ताहत्वेन मुख्यालये अक्तोबरमासस्य 15दिनाङ्के वैभवेन समाचरितः। तत्र समायोजिते विशिष्टे कार्यक्रमे जवाहरलालनेहरूविश्वविद्यालयस्य कुलपतिः शान्तिश्री धुलुपुडी पण्डितवर्यः मुख्यातिथिरूपेण पतञ्जलिविश्वविद्यालयस्य कुलपतिवर्यः आचार्यः बालकृष्णमहाभागः, अध्यक्षः विश्वविद्यालयस्य यशस्वी कुलपतिः आचार्यः श्रीनिवास वरखेडीवर्यश्च आसीत्।

अभिनवसुश्रुतः सम्मानेन सम्मानितः आचार्य बालकृष्णवर्यः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य स्थापनादिवससमारोहे पतञ्जलिविश्वविद्यालयस्य कुलपतिः आयुर्वेदस्य विद्वान् आचार्य बालकृष्णः अभिनवसुश्रुतः इति सम्मानेन सम्मानितः।

कुलपतिपुरस्कारयोजनायाः अन्तर्गतं प्राप्तपुरस्काराः

प्रो. मदनमोहनझाः, निदेशकः, श्रीरणवीरपरिसरः, जम्मू
"शिक्षाश्रीः" पुरस्कारभाक्

प्रो. ईश्वरभट्टः, ज्योतिषविभागः, जयपुरपरिसरः, जयपुरम्
"शिक्षाश्रीः" पुरस्कारभाक्

डॉ. के.एस्. महेश्वरन्, अद्वैतवेदान्तविभागः, मद्राससंस्कृतमहाविद्यालयः, चैन्नई,
"शिक्षाभूषणम्" पुरस्कारभाक्

डॉ. ए.वि. नागसम्पिगे, निदेशकः, पूर्णप्रज्ञसंशोधनमन्दिरम्, बैङ्गलूरु,
"शिक्षाश्रीः" पुरस्कारभाक्

डॉ. नवीन डोबरियाल, सहायकपुस्तकालयाध्यक्षः, श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः,
"शिक्षान्यासी" पुरस्कारभाक्

डॉ. के.वरलक्ष्मी, उपनिदेशिका, संस्कृतअकादमी, उस्मानियाविश्वविद्यालयः,
"शिक्षाश्रीः" पुरस्कारभाक्

डॉ. सुज्ञान कुमार महान्ति, सहाचार्यः, साहित्यविभागः, भोपालपरिसरः, भोपालम्,
"शिक्षाश्रीः" पुरस्कारभाक्

डॉ. योगेन्द्र दीक्षितः, सहायकाचार्यः, राजनीतिशास्त्रम्, श्रीरणवीरपरिसरः, जम्मू,
"शिक्षाश्रीः" पुरस्कारभाक्

प्रो. मिनती रथः, पुराणेतिहासविभागः,
श्रीसदाशिवपरिसरः, पुरी,
"शिक्षाश्रीः" पुरस्कारभाक्

सेवानिवृत्तानां सम्माननम्

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य स्थापनादिवसमुपलक्ष्य विश्वविद्यालये अमूल्यां सेवां विधाय सेवानिवृत्तानाम् अधिकारिणां कर्मचारिणां च सम्मानकार्यक्रमः समायोजितः।

कार्यक्रमे दीप्रप्रज्वालनं कुर्वन्तः अतिथयः डॉ. कमलाकान्त मिश्रः, श्री चन्दन सिंह कन्याल, डॉ. गोपीरमण मिश्रश्च।

कार्यक्रमे आसीनाः अतिथयः

डॉ. कमलाकान्तमिश्रवर्यम् सम्मानयन्तः कुलपतयः, कुलसचिवश्च

डॉ. गोपीरमणमिश्रवर्यम् सम्मानयन्तः कुलपतयः, कुलसचिवश्च

श्री चन्दन सिंह कन्यालवर्यम् सम्मानयन्तः कुलपतयः, कुलसचिवश्च

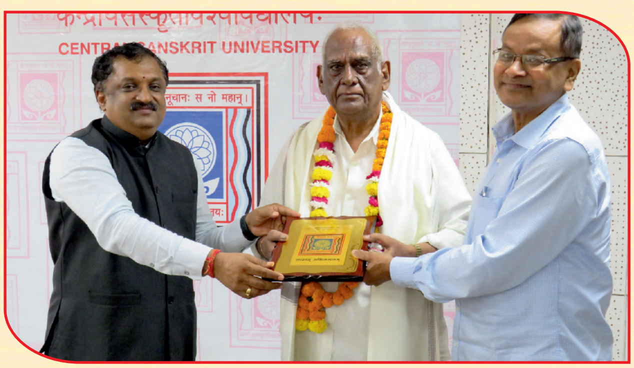

श्री धर्मवीर सिंह राजपूतवर्यम् सम्मानयन्तः कुलपतयः, कुलसचिवश्च

श्री हरभजन सिंह सन्धूवर्यम् सम्मानयन्तः कुलपतयः, कुलसचिवश्च

भारतीयभाषादिवसोत्सवः

महाकवि सुब्रह्मण्यभारती–जयन्त्युत्सवमालक्ष्य भारतीयभाषादिवसोत्सवः महता वैभवेन दिसम्बरमासस्य एकादशदिनाङ्के विश्वविद्यालयस्य परिसरेषु समाचरितः। अवसरेऽस्मिन् विविधप्रान्तानां पक्वान्नविपणिः संस्थापिता यत्र विविधेभ्यः प्रान्तेभ्यः समागतैः छात्रैः बहुविधव्यञ्जनानि निर्मितानि आसन्। विविधभाषासु नृत्यगीतादीनां सांस्कृतिककार्यक्रमाणाम् अपि प्रस्तुतयः आसन्।

भारतीयभाषादिवसात्सवकार्यक्रमे छात्रैः सम्भूय निर्मितं भारतमानकचित्रम्

कार्यक्रमस्य उद्घाटनं विदधानः कुलपतिमहोदयः

क.जे. सोमैयापरिसरे प्रवृत्तस्य कार्यक्रमस्य दृश्यम्

महाराष्ट्रराज्यस्य राज्यपालं भगतसिंहकोश्यारीमहोदयं सम्मानयन्तः कुलपतयः

मञ्चासीनाः अतिथयः

विकासयात्राकार्यक्रमः

भारतसर्वकारस्य शिक्षामन्त्रालयस्य परियोजनान्तर्गतं विकासयात्रा-कार्यक्रमः मुम्बईनगरे वाराणस्याम् उज्जयिन्यां च क्रमशः नवम्बरमासस्य 22तमे दिनाङ्के 25दिनाङ्के, दिसम्बरमासस्य 10दिनाङ्के च समायोजितः।

उज्जयिन्यां प्रवृत्तस्य कार्यक्रमस्य दृश्यम्

वाराणस्यां प्रवृत्तस्य कार्यक्रमस्य दृश्यम्

सतर्कताजागरूकतासप्ताहः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य मुख्यालये तथा परिसरेषु च राष्ट्रियैकतादिवसः, सतर्कताजागरूकतासप्ताहः वैभवेन समाचरितः। सन्दर्भेऽस्मिन् छात्राणां कृते नैकाः स्पर्धाः उद्बोधनं च समायोजितम्।

साहित्यअकादमीपुरस्कारः

जनार्दनप्रसादपाण्डेयः 'मणि' महोदयेन च साहित्यअकादमी दिल्लीतः लक्षमुद्रात्मकः भाषासाहित्य-पुरस्कारः लब्धः।

प्रो. कुलदीपशर्मा
साहित्यअकादमीबालसाहित्यपुरस्कारभाक्

प्रो. जनार्दनप्रसादपाण्डेयः 'मणिः'
साहित्यअकादमीपुरस्कारभाक्

प्रो. उदयनाथझामहाभागः
साहित्यअकादमीभाषासम्मानभाक्

एम्.ओ.यु.

सेन्ट्रल-कोन्सिल-आफ-इन्डियन-मेडिसिन इत्यस्य केन्द्रीयविश्वविद्यालयस्य च मध्ये सहमतिपत्रस्य हस्ताक्षरम्।

केन्द्रीययोजनानाम् आनलाईन-आवेदनारम्भः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन संचाल्यमानानां योजनाना ऐदम्प्रथमतया आनलाईन-माध्यमेन आवेदनस्य स्वीकृतेः आरम्भः संजातः।

5 JAN-HINDPRA...

दिल्ली, गुरुवार, 5 जनवरी, 2023

संगीत नाटक अकादेमी के साथ समझौता ज्ञापन शा... और कला का संबर्धक होगा-कुलपति प्रो वरखेड़ी

दिल्ली,अजय कुमार मिश्रा ।

आज दिनांक 4 जनवरी 2023 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी अपने विश्वविद्यालय के डीन ऑफ एकेडमी प्रो बनमाली बिश्वाल तथा भोपाल परिसर के निदेशक प्रो रमाकान्त पाण्डेय के साथ संगीत नाटक एकेडमी की अध्यक्षा सन्ध्या पुरेजा और उनके अधिकारियों के साथ शास्त्रीय रंगमंच एवं शास्त्रीय नाट्य केंद्र की स्थापना के संदर्भ में विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की । कुलपति प्रो वरखेड़ी ने कहा कि इसी संदर्भ में भविष्य में एक समझौता ज्ञापन होना सुनिश्चित हुआ है ।इसके माध्यम से यह अकादेमी एवं केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बीच विभिन्न प्रकार के शास्त्रीय कलात्मक पाठ्यक्रमों को संचालित किया जाएगा । उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे अकादमिक समझौते से रंगमंच का दुनिया का लब्धप्रतिष्ठ आचार्य भरत लिखित नाट्यशास्त्र के प्रायोगिक पक्षों को भी कला प्रेमियों के लिए समझने समझाने में और बल मिलेगा और डा पुरेजा स्वयं भारतीय कला विदुषी तथा रंग प्रयोग की मर्मज्ञा हैं। अतः शास्त्रीय रंगमंच एवं शास्त्रीय नाट्य केंद्र की स्थापना के संदर्भ में विभिन्न विषयों पर चर्चा दूरगामी परिणाम वाला हो सकता है ।

30 Dec-HIND PRA...

श्रीगोविन्द सिंह जयन्ती अखंड राष्ट्र निर्माण का संकल्प दिवस भी है - प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी

दिल्ली ,अजय कुमार मिश्रा ,सीएसयू

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ,दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने सिख संप्रदाय के 10वें गुरु,खालसा पंथ के संस्थापक, महान योद्धा,कवि तथा आध्यात्मिक गुरु श्रीगोविन्द सिंह की पावन जयन्ती पर सभी को बधाई देते कहा है कि यह पावन जयन्ती अखंड राष्ट्रनिर्माण का संकल्प दिवस भी है । प्रो वरखेड़ी ने यह भी कहा कि उनके द्वारा देश की अखंडता ,अक्षुण्णता तथा राष्ट्र अस्मिता की पहचान को बनाये रखने तथा अविस्मरणीय बलिदान और अनुपम त्याग करने के लिए समग्र राष्ट्र नतमस्तक है । उनकी इस शहादत ... दुनिया संसार में व्याप्त भारतवंशी सिख संप्रदाय के लिए संयोजन तथा प्रेरणा स्तंभ का काम करते भारत राग का भी कार्य करता है ।

श्रीगोविन्द सिंह न केवल महान योद्धा ,प्रखर राष्ट्रभक्त ,चिन्तक तथा अध्यात्मिक गुरु थे बल्कि,पंजाबी,अरबी,फारसी,उर्दू तथा संस्कृत आदि भाषाओं के भी अच्छे ज्ञाता थे। यही कारण है कि उनके जीवन दर्शन - उपदेशों पर सहकारी सोच का प्रभाव झलकता है और संस्कृत साहित्य में भी गुरु को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ले कर जाने पर्याप्त बखान मिलता है ,उस दृष्टि से भी इस जयन्ती की ... समझना समय

24 Dec-HIND PRA...

दैनिक **हिन्द प्रहरी**

R.N.I. No.: DELHI/2006/17097 — दिल्ली से प्रकाशित

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो वरखेड़ी सम्मानित

c-HIND PRA...

प्रस्तुत किए। ... श्रोता उपस्थित थे।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति प्रो वरखेड़ी को अटल रत्न सम्मान

LOKMAT TIMES

Use Sanskrit's power for launching startups: Maha Governor Koshyari

11th convocation of Kavikulguru Kalidas Sanskrit University held

LOKMAT NEWS NETWORK
NAGPUR

Sanskrit has the power to guide the country. Maharashtra governor and chancellor Bhagat Singh Koshyari appealed to the new generation to use this power to start various types of businesses. The governor interacted with the graduating students at the 11th convocation of Kavikulguru Kalidas Sanskrit University at Ramtek.

Head of the department of Buddhist studies of Nepal Sanskrit University, Prof Dr Kashinath Nyaupane was the chief guest. Vice-chancellor of Central Sanskrit University, New Delhi, Prof Shrinivasa Varakhedi, officiating vice-chancellor Prof Madhusudan Penna, registrar Dr Ramchandra Joshi, dean of Sanskrit stream Prof Nanda Puri, controller of exams Dr Smita Fadnavis, deans of various streams, members of management and academic councils were present.

Koshyari in his address said, "Sanskrit is the mother of all languages. Darshanadi Shastras, Yoga, Ayurveda have now become attractive all over the world. Sanskrit is ready to serve not just national but entire humanity's interest." Degrees were awarded to students who passed the in academic session 2020-21.

The meritorious students of various branches were honoured with gold medals and awards. Vaishnavi Mukund Pande was honoured with the chancellor's gold medal. Prof Kashinath Nyaupane also addressed the students.

In the introductory remarks, officiating vice-chancellor Prof Penna presented a progress report of the university. Prof Parag Joshi conducted the proceedings. The former vice-chancellor of the university and the vice-chancellor of the Central Sanskrit University Shrinivasa Varakhedi was felicitated by governor Koshyari with an honorary D.Litt.

A total of 3,317 degree certificates were awarded to the students in the 11th convocation including 465 master's degrees, 1,156 bachelor's degrees, 1,174 diplomas, 124 post-graduate diplomas, 111 certificates, 180 certificates and others.

Maharashtra governor Bhagat Singh Koshyari presenting honorary D.Litt. degree to vice-chancellor of Central Sanskrit University, New Delhi, Prof Shrinivasa Varakhedi while officiating vice-chancellor Prof Madhusudan Penna and head of the department of Buddhist studies of Nepal Sanskrit University, Prof Dr Kashinath Nyaupane look on during convocation of Kavikulguru Kalidas Sanskrit University at Ramtek on Wednesday.

Nagpur First
Page No. 6 Dec 22, 2022
Powered by: erelego.com

Like Comment Share

लोकमत

...स्कृतच्या माध्यमातून 'स्टार्ट अप' सुरू करा

राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी: संस्कृत विद्यापीठाचा दीक्षांत स...

लोकमत न्यूज नेटवर्क

रामटेक : संस्कृतमध्ये देशाला दिशा देण्याचे सामर्थ्य आहे. या सामर्थ्याचा उपयोग करून विविध प्रकारचे स्टार्ट अप उद्योग संस्कृतच्या माध्यमातून नव्या पिढीने सुरू करण्याचे आवाहन राज्यपाल आणि कुलपती भगतसिंह कोश्यारी यांनी केले.

रामटेक येथील कविकुलगुरू कालिदास संस्कृत विद्यापीठाच्या ११ वा दीक्षांत समारंभात राज्यपालांनी पदवीप्राप्त विद्यार्थ्यांशी संवाद साधला. कविकुलगुरू कालिदास संस्कृत विद्यापीठाच्या परिसरात आयोजित समारंभाला प्रमुख अतिथी म्हणून काठमांडू येथील नेपाळ संस्कृत विद्यापीठाच्या बौद्ध अध्ययन विभागाचे प्रमुख प्रा. डॉ. काशीनाथ न्योपाने, केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठाचे कुलगुरू प्रा. ... वरखेडी, कविकुलगुरू ... विद्यापीठाचे प्रभारी ...

केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठाचे कुलगुरू प्रा.श्रीनिवास वरखेडी यांना मानद डी.लिट प्रदान कर... कोश्यारी. याप्रसंगी उपस्थित कविकुलगुरू कालिदास संस्कृत विद्यापीठाचे प्रभारी कुल... संस्कृत विद्यापीठाच्या बौद्ध अध्ययन विभागाचे प्रमुख प्रा. डॉ. काशीनाथ न्योपाने.

समारंभादरम्यान राज्यपाल कोश्यारी यांनी विद्यार्थ्यांना दीक्षांतोपदेश प्रदान केला. या दीक्षांत समारंभात २०२०-२१ या शैक्षणिक सत्रात उत्तीर्ण झालेल्या विद्यार्थ्यांना पदवी प्रदान करण्यात आली. याशिवाय विविध शाखांतील ... विद्यार्थ्यांना राज्यपालांच्या हस्ते ... पुरस्काराने ...

कुलगुरु श्रीनिवास वरखे...

या दीक्षांत समारंभात संस्कृतशास्त्रे, ... भारतीय ज्ञान प्रणाली, दर्शनशास्त्रास... उल्लेखनीय योगदानाबद्दल विद्यापी... विद्यापीठाचे कुलगुरू प्रा. श्रीनिवा... हस्ते मानद विद्यावाचस्पती (डी.लि...

संस्कृत के लोक प्रचार में सरल एवं ... लेखन की महत्त्वपूर्ण भूमिका...

दिल्ली

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी की अध्यक्षता में एक उच्च शोध समिति की बैठक में त्वरित तथा पारदर्शी पुस्तक प्रकाशन प्रक्रिया के साथ साथ सरल संस्कृत प्रकाशन श्रृंखला जैसे अनेक ग्रंथ मालाओं को आरंभ करने का निर्णय लिया गया ।इस बैठक में समिति के अन्य सदस्यों के अतिरिक्त डा जनार्दन हेगड़े,संपादक ,सम्भाषण सन्देश ,बेंगलूरु,प्रो सच्चिदानन्द मिश्र,सदस्य - सचिव ,आई.सी.पी.आर .,दिल्ली, लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक ,निदेशक ,एन .बी.टी.,दिल्ली ,प्रो एन.सी .पण्डा, अध्यक्ष, वी.वी.बी.आई.एस.एंड आई .एस .,पंजाब वि. होशियार पुर, पंजाब, प्रो ... विज्ञान - ... सीएसयू, ... बिश्वास , ... ,सीएसयू ... महत्त्वपूर्ण ... संचालन ... ,प्रकाशन ...

कुलपति ... देते कहा ... संस्कृत ... भारत के ... कार्य तो ... समय की ... के ग्रंथ मा... तथा मानक... से भी सं...

व्यवहार वर्ष– 2023 पर कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने सभी को बधाई दी

■ नई दिल्ली, किरण शर्मा

न्यूज फोल्डर। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने अपने विश्वविद्यालय परिवार तथा देशवासियों को व्यवहार वर्ष-2023 की हार्दिक बधाई दी और कहा है कि यह व्यवहार वर्ष अपने देश के लिए खुशहाली तथा उपलब्धियों से भरा हो। साथ ही साथ विश्व शान्ति और मानव कल्याण का वाहक भी बनें क्योंकि विगत वर्षों में शक्तिशाली-विकसित देश की टकराहट छोटे देश से देखी जा रही है जो अंततः जनमानस की परेशानी का ही कारण बनता है।

कुलपति ने यह भी कहा कि भारतीय दर्शन में काल की अवधारणा वृत्तात्मक तथा विशेष खगोलीय विमर्श होने के कारण भारतीय काल गणना के अनुस... दिसंबर के मास मे... नववर्ष नहीं मनाया ... लेकिन भारत वर्ष स... उत्सवों का देश रहा है... इसकी धरती पर ... वाले-नाना धर्मों, ... संप्रदायों तथा भाषा भाषि... की प्रत्यक्ष या परोक्ष पहचा... भारतीय संस्कृति से भी जुड़... हुई है। यही कारण है कि ये... अभिन्न और अनिवार्य हि...

जन जातीय गौरव दिवस की आप सब को अशेष बधाई – कुलपति प्रो वरखेड़ी

अजय कुमार मिश्रा

दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय , दिल्ली के माननीय कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी जी ने जन जातीय गौरव दिवस पर अपने विश्वविद्यालय परिवार तथा देशवासियों को हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं देते कहा है कि पिछले वर्ष 15 नवंबर 2021से भारत सरकार ने महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा ... जयन्ती मनाने का श्लाघ्य तथा ... है।इस जयन्ती ... वस्तुतः यह ...

यह प्रखर स्वतन्त्रताजीवि , संघर्षशील श्रमजीवी और अदम्य राष्ट्रवादी सम... जो किसी विशेष कारणों से देश ... मुख्यधारा से अलग थलग पड़ ग... उनको फिर से देश के विकास ... और समृद्धि के जीवन रेखा से ... करना है जिनका भारतवर्ष ... प्रारंभ काल से ही बहुत ही ... भूमिका रही है ।

अतः अब सबका ... विकास और राष्ट्र के च... का समय आ गया है ।

अतः पुनः अपने दे... आदरणीय बिरसा मुंडा ... बधाईयां ...

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति प्रो वरखेड़ी को अटल रत्न सम्मान

न्यूज फोल्डर, सं. किरण शर्मा, नई दिल्ली।। बहुत ही हर्ष का विषय है कि 'संकल्प-एक नई सोच' संस्था द्वारा कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी को भारतीय विद्या, यहां की संस्कृति तथा संस्कृत भाषा के लोक प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान के लिए' अटल रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया है। सूचीयन है कि यह पुरस्कार उन्हें कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, दिल्ली के एक विशेष समारोह में दिया गया गया है। इस पुरस्कार को दिये जाने पर सीएसयू परिवार तथा संस्कृत प्रेमियों बड़ी खुशी का माहौल देखा गया और विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं, कर्मचारियों तथा अधिकारियों ने भी संतोष जताया है। सीएसयू के डीन ऑफ एकेडमिक तथा जाने माने संस्कृत कवि-कथाकार और उपन्यासकार प्रो. वनमाली बिश्बालने कहा कि यह अलंकरण अपने विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गौरव का विषय है।

दिल्ली, शुक्रवार, 18 नवम्बर, 2022 (2)

विश्व दर्शन दिवस युवा समाज के लिए महत्त्वपूर्ण लगता है-कुलपति

दिल्ली-केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने विश्व दर्शन दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि यूनेस्को ने सन् 2002 से इस दिवस को मनाने की उद्घोषणा की थी जिस दिवस का लक्ष्य दार्शनिक चिंतन का उन्नयन तथा संवर्धन विशेष कर युवा वर्ग में भी पहुंचाना है। युवा वर्ग के लिए इस दिवस का इसलिए भी अधिक महत्त्व है कि दर्शक अपने समकालीन स्थिति की मान्यताओं को परिभाषित कर के अभिनव सिद्धान्त की स्थापना करने का प्रयास करता है। युवा वर्ग अपने समकालीन ... अपनाया है

कुलपति प्रो वरखेड़ी ... फ्यूकामा की चर्चित ... एंड लास्ट मैन (1992) ... रैखिक सिद्धान्त का द्योतक ... फिर लौट कर नहीं आता है ... में काल का अवधारणा वृत्ता... अर्थात जो जाता है वह लौट ... यही आशावादी सांस्कृतिक ... के अपार करुणा ... मानसिकता तथा विखंडि... क्ति दिलाने में सहायक ... भी विश्व दर्शन दिवस ...

...ने इस बात पर भी बल ... आ गया है कि दुनिया के ... ल्यों पर गहन शोध किया ... विश्व शान्ति तथा ... त्र के साथ साथ ... भी दर्शनशास्त्र ... वार्य अंग बने ... समस्याओं के ... को खोजने ... विश्व सभ्य... न एक ... इस वर्ष इस ...

गीता जयन्ती पर कुलपति प्रो वरखेड़ी ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता युवा वर्ग के लिए भी पथ प्रदर्शक बने

अजय कुमार मिश्रा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

www.navarashtra.com

राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारींच्या हस्ते संस्कृत विद्यापीठाचा दीक्षांत

'संस्कृत' ही मानव हिताची भाषा

संस्कृत के परिप्रेक्ष्य में भी भारतीय भाषाओं का विकास हो-कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी

दिल्ली, अजय कुमार मिश्रा

भारतीय भाषा दिवस पर प्रो वरखेड़ी ने कहा है कि भाषाएं भारत की मिली जुली संस्कृति की अन्त-पहचान है। अतः नेप- 2020 में भारतीय भाषाओं को विशेष महत्त्व दिया गया है जिसका उन्नयन संस्कृत के परिप्रेक्ष्य में भी होना चाहिए। इसका बहुत बड़ा कारण यह भी है कि अपने देश के अनेक भाषाओं के साथ संस्कृत की साझी भाषिक संस्कृति का अटूट रिश्ता रहा है। यही कारण है कि भारतीय भाषाओं तथा संस्कृति ने आपस में मिलजूल कर एक दूसरे का परिवर्धन तथा संरक्षण किया है। अतः भाषा की दृष्टि से भी एक भारत श्रेष्ठ भारत की भाषिक समग्र राष्ट्रधर्मिता की चमक को किसी कीमत पर कम नहीं किया जा सकता है। इस चमक की दमक बढ़ाने में संस्कृत भाषा तथा इसके विपुल साहित्य की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 ने अन्य भारतीय भाषाओं के साथ साथ संस्कृत के लिए विशेष ढंग से मार्ग प्रशस्त किया गया है। अतः संस्कृत के परिप्रेक्ष्य में भी भारतीय भाषाओं को विकास होना चाहिए। कुलपति प्रो वरखेड़ी ने यह भी कहा कि भारतीय भाषाओं के बीच सुदृढ़ संबंध बनाने में अनुवाद की भी अहम भूमिका होगी जिस अनुवाद प्रौद्योगिकी का प्रोत्साहन विशेष कर भूमंडलीकरण के दौर में सर्वथा युगीन मांग है।

प्रहरी (हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र) विविध

...ध्यान वैश्विक अभियान ध्यान और मानसिक ...य के लिए जरुरी-कुलपति प्रो वरखेड़ी

दिल्ली, अजय कुमार मिश्र, सीएसयू।

देश का युवा सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए कटिबद्ध है-कुलपति प्रो वरखेडी

भारत का निर्माण किया जा सके। दासता की भावना का अब कोई सवाल उठता ही नहीं उठता है। प्रत्यय अर्थात समूचे भारत के लिए अटूट आत्मविश्वास के साथ सशक्त राष्ट्र के पुनर्निर्माण का समय अब आ गया है। देश के युवा वर्ग के सपनों का ही प्रतीक के रूप में आज अयोध्या का पुनर्निर्माण तथा उज्जैन कोरीडोर जैसा उपक्रम है। कुलपति प्रोफेसर वरखेडी ने यह भी कहा कि भारतवर्ष आरंभ से ही अनेकता में एकता का देश रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि तथा सारस्वत अतिथि के रूप में क्रमश- महामहिम, महाराष्ट्र सरकार श्री भगत सिंह कोश्यारी तथा अध्यात्मिक गुरु स्वामी अभिषेक ब्रहचारी ने भी अपने महत्त्वपूर्ण विचार रखें। साथ ही साथ युवा नेता और समाज सेवी रोहित कुमार सिंह भी अपने विचार रखे।

RNI NO.: DELSAN/2011/38660 ISSN 2321-4937 DL(E)-20/5534/20...

संस्कृत-संवाद

पाक्षिकं समाचारपत्रम्

ई-मेल: sanskritsamvad@gmail.com वेबसाइट: www.sanskritsamvad.com

पतंजलियोगपीठे सोत्साहं आयोजितं महर्षिधन्वन्तरिजयन्तीपर्व

प्रतिमास्थापन कार्यं पतंजलि द्वारा करिष्यते संकायाध्यक्षा साध्वी देवप्रिया उक्तवती यत् महापुरुषाणाम् अभावे एव तन्न्यूनता अनुभूयते। महापुरुषेषु एकः धन्वन्तरिः देवरूपेणापि गण्यते। धन्वन्तरि जयन्ती कार्यक्रमे पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालये पठन्तः पढ़ रहे छात्रच्छात्राः ओजस्विप्रस्तुतीः प्रस्तुतवन्तः। पूज्य-आचार्यः छात्रान् पुरस्कृतवान्।

कार्यक्रमे विश्वविद्यालयस्य प्रतिकुलपतिः डॉ. महावीरः, डॉ. अनिलः, डॉ धनराजः, प्रो. पी. सी. मंगलः, प्रो. श्रीकान्तः, स्वामी अर्षदेवः, बहन देवश्रुतिः एवं पतंजलि विश्वविद्यालयस्य प्राध्यापकगणः छात्राः उपस्थिताः।

कुलपतिः प्रो... एकतामूर्तिः राष्ट्रस्य ...

31/10/2022 ... केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालये लौहपुरुष ... राष्ट्रियएकतादिवसस्य प्रतिज्ञा - समारोहे ...

कर्मचारिणः अधिकारिणः च संबोध्य एतत् उक्तम्। अपि सः सरदारवल्लभः निर्भीकः, पक्षपातहीनः, निर्लोभमानसिकतया कर्तव्यपालनम् इत्येषां पाठः शिक्षितुं शिक्षितुं शक्यते। तत्र कुलसचिवः प्रो रणजित कुमार बर्मनः रियासतविलये लौह पुरुषस्य अविस्मरणीयं योगदानं चर्चयन् उक्तवान् यत् अस्माकं देशः येन स्वाभिमानेन आत्मविश्वासेन च विश्वस्मिन् सन्नद्धः वर्तते तत्र सरदार बल्लभ भाई पटेलस्य अपि अत्यन्तं महत्त्वपूर्णं भूमिका अवर्तत।

अस्यां प्रतीज्ञा संगोष्ठ्यां संचालनं प्रो कुलदीप शर्मा, (ओएसडी, कुलपतिः) अकरोत्। राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् इत्यस्य सामूहिक गानेन सह सभायाः समापनं जातम्।

हिन्द प्रहरी

दिल्ली से प्र...

DELHIN/2006/17097 दिल्ली, शनिवार, 19 नवम्बर, 2022 पृष्ठ-8

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने नैक निरीक्षण के लिए एसएसआर प्रतिवेदन आवेदित किया-कुलपति प्रो. वरखेड़ी

प्रजातांत्रिक मूल्यों की मूल भावना की जननी भारतवर्ष ही रहा है-कुलपति प्रो. वरखेड़ी

अजय कुमार मिश्रा

दिल्ली। औपनिवेशिक भारत तथा प्रजातांत्रिक मूल्यों को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ... निर्देश के आलोक में आज डा शारेन्देन्दु मुखर्जी, इतिहास विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने % क्लोनियल सुचुएशन ... % रेनेंसा% फिगर्स = दीयर आईडियाज ... डेमोक्रेटिक पौलीटी फौर इंडिया विषय पर अपना विशेष व्याख्यान देते कहा कि भारत के अनेक ऐसे देश हैं जहां राजनैतिक सोच की अस्थिरता तथा प्रजातांत्रिक मूल्यों की कमी के कारण उनकी सरकारें बार बार गिर जाती हैं। लेकिन भारत के साथ यह बात कतई लागू नहीं होती। डा मुखर्जी ने इस बात को लेकर चिंता जताते यह भी कहा कि आज़ादी के बाद भारत के मौलिक चिंतन को समुचित स्थान नहीं दिया गया है। यही कारण है कि क्रीयटिव थिंकिंग कमजोर सा होने लगा। आज जो ब्रिटेन का प्रधान मंत्री ऋषि सुनाक की बात की जाती है उस परंपरा की शुरुआत तो दादा भाई नौरोजी ब्रिटिश हाउस औफ कौमन में प्रथम भारतीय के रुप चुने जाने से हो चुकी थी। इसी तरह सुरेन्द्र नाथ आईसीएस की परीक्षा में समानता लाने लिए बहुत पहले ही भारत जोड़ो आन्दोलन का श्रीगणेश कर चुके थे। उन्होंने राजा राम मोहन राय के लिए लोकल सेल्फ गर्वनमेंट के प्रयासों का जिक्र किया।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि यह बात अलग है कि भारतीय संविधान में कुछ ब्रिटिश मोडल को लिया गया। लेकिन हमें यह तथ्य भी नहीं भूलना चाहिए कि गणतंत्र के रुप में प्रजातंत्र की मूल भावना की जननी प्राचीन काल से ही भारतवर्ष ही रहा है जिसकी संयोजक कड़ी भारतीय धर्म की इथिक्स तथा इथौस ही रहा है। धर्म की इसी भावना को आज के संदर्भ में संविधान के रुप में लिया जा सकता है। प्रो वरखेड़ी ने यह भी कहा कि जनतांत्रिक भावना देश के जन जन में समाहित है। यही कारण है कि गोंडवाना के चौथे कक्षा उत्तीर्ण देवा जी तोपा के नेतृत्व में मेढा नामक जिले को भारत का पहला ग्राम सभा भारत सरकार के द्वारा घोषित किया गया है। प्रजातन्त्र जब लोकल से लोकल बनी रहती है तो उसका सम्यक् उत्कर्ष होता रहता है। मात्र 200 जनजाति आबादी वाला यह ग्राम इसी का जीवंत प्रतीक है। कुलपति ने विशेष कर छात्र छात्राओं को संबोधित करते यह भी कहा कि शोध के ज्वलंत विषयों पर कार्य करना युगीन धर्म है जिससे समाज तथा देश लिए कुछ काम आ सके। औनलाईन माध्यम से सीएसयू के विविध राज्यों के परिसर परिवार ने सक्रिय भाग लिया। इससे व्याख्यान और जीवंत हुआ। प्रो बनमाली बिश्वाल तथा प्रो पवन कुमार ने क्रमशः अतिथियों का स्वागत तथा धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रो मुरली ने मंच संचालन।

...शी-तमिल संगम के आयोजन से एक भारत श्रेष्ठ भा... की भावना संबलित होगी-कुलपति प्रो वरखेड़ी

...ली। आज से वाराणसी में काशी-... संगम के भव्य आयोजन प्रारंभ ... के उपलक्ष्य पर सीएसयू के कुलपति ...निवास वरखेड़ी ने कहा है कि ऐसे ...हासिक आयोजन से भारतवर्ष के ...र तथा दक्षिण की सदियों से पुरानी ...खडित सांस्कृतिक पहचान की फिर ... अन्वेषित तथा स्थापित होगी। इससे ...क भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को भी पर्याप्त बल मिलेगा।

इस संदर्भ में हमें इस तथ्य को भी नहीं भूलना चाहिए कि अंग्रेजी सरकार की फूट डालो और शासन करो की ...नीति के कारण ही अपने इस विशाल ... धर्म, जाति, क्षेत्र ...

कुलपति प्रो वरखेड़ी ने यह भी कहा कि सांस्कृतिक -भाषिक एकता के अक्षुण्ण तथा गौरवशाली भारतीय परंपरा की समन्वित अन्तःधारा की यह महनीय महाकुंभ का ज्ञान यज्ञ राष्ट्र की एकता तथा अखंडता में मील का पत्थर प्रमाणित होगा।

इससे विघटनकारी तत्त्वों को भी स्वयं ही उत्तर मिल जाएगा। देश की सर्वमुखी उन्नति का भी अब समय आ गया है और हम आशा करते हैं कि ऐसे सुदृढ़ एकात्मकता की भावना के उन्नयन से अपना देश फिर से दुनिया में सुख, शान्ति तथा समृद्धि के लिए ज्ञान ध्वज फहराएगा।

द्वारा-डा. अजय कुमार मिश्रा ... संपर्क अधिकारी

दैनिक

हिन्द प्रहरी

CITYLINE 3

Sanskrit is the language of human welfare: Governor

Prof Srinivasa Varakhedi is receiving D.Litt at the hands of Chancellor Bhagat Singh Koshyari. Prof Madhusudan Penna and others look on.

Dr Rajendra Watane is receiving D.Litt from Governor Bhagat Singh Koshyari.

- Vaishnavi Pande becomes first recipient of Honourable Chancellor Gold medal announced by Governor Koshyari during KKSU's convocation

Staff Reporter

"WORLD is curious to know about the Indian culture, Ayurved, Yog. Similarly other countries are willing to learn Sanskrit language. We must understand the so much acceptance of Sanskrit language. I feel Sanskrit is not only the language of national welfare but it is of the welfare of humans also. We should use the potential of this language and use it to start start-ups," observed Governor of Maharashtra and Chancellor of the universities Bhagat Singh Koshyari. He was speaking during the convocation of Kavikulguru Kalidas Sanskrit University (KKSU) held on Wednesday at its Ramtek campus.

Prof. Kashinath Nyaupane, Professor and Head, Buddhist Studies at Nepal Sanskrit University, in Kathmandu, was the chief guest. Vice-Chancellor of Central Sanskrit University, Delhi Prof Shrinivasa Varakhedi, Acting Vice-Chancellor of KKSU Prof. Madhusudan Penna, Registrar Dr Ramachandra Joshi, Controller of Examinations Dr Smita Fadnavis, were seated on dais.

Vaishnavi Pande, recipient of Honourable Chancellor Gold Medal.

The "Honourable Chancellor Gold Medal" declared by Governor Koshyari was coffered upon Vaishnavi Mukund Pande along with 4 gold medals for securing first position in Acharya (M.A) (Darshan). Two Honorary D.Litt were given. Prof Shrinivasa Varakhedi, is one of the two recipients of D.Litt for his outstanding contribution in the field of Sanskrit Shastras, Computational Linguistics, Indian Knowledge System and Higher Education. Second D. Litt was given to Dr Rajendra Watane, Professor of Marathi in Taywade Arts College, Koradi.

Best Thesis Awards were given to 4 best thesis in respective faculties. They include Sumit Manoharrao Kathale under the Faculty of Vedavidya under the guidance of Prof. Harekrishna Agasti, Prateek Pramodrao Joshi under the Faculty of Sanskrit and other languages under the guidance of Prof. Parag Joshi. Pratik received Best Thesis award Gold Medal. Madhav Vijay Ashtikar under the Faculty of Indian Religion, Philosophy and Culture under the guidance of Prof. Madhusudan Penna accepted Best Thesis award Gold Medal.

Prof Kashinath Nyaupane, Prof Madhusudan Penna, Prof Varakhedi spoke on the occasion. Dr Parag Joshi compered the programme.

छात्र छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय में पारंपरिक भित्तिचित्रकारी एक सार्थक पहल-कुलपति प्रो वरखेडी

दिल्ली, अजय कुमार मिश्र

सेंट्रल काउंसिल ऑफ इंडियन मेडिसिन के साथ अकादमिक समझौता

सीएसयू के आयुर्वेद अनुसंधान कार्य का विस्तार करेगा: कुलपति प्रो वरखेड़ी

हिन्द आत्मा संवाददाता

क.जे. सोमैयापरिसरवार्ता

समायोजिता हिन्दीकार्यशाला

परिसरेऽस्मिन् 26.12.20022 तमे दिनाङ्के प्र. निदेशकस्य प्रो. भारतभूषणमिश्रवर्यस्य आध्यक्ष्ये परिसरीयराजभाषासमितेः विचार-विमर्शाय हिन्दीप्राध्यापिकायाः डॉ. गीतादूबेमहोदयायाः संयोजने हिन्दीकार्यशाला समायोजिता।

स्पर्धासु भागग्रहणम्

मुम्बई-उपनगरीयक्रीडास्पर्धासु परिसरस्यछात्राः भागग्रहणम-कार्षुः। तत्र चक्षेपणस्पर्धायां शास्त्रिप्रथमवर्षीये छात्रे कुमारी नेहा वर्मा तथैव कुमारी सागरिका यादव क्रमशः प्रथमपुरस्कारं द्वितीयपुरस्कारं च प्राप्तवत्यौ।

स्वच्छताभियानम्

मुख्यालयस्य आदेशानुसारं परिसरेऽस्मिन् 26.09.2022-02.10.2022 तमदिनाङ्कपर्यन्तं सर्वे अध्यापकाः छात्राश्च मिलित्वा परिसरस्य स्वच्छताकार्यमकुर्वन्।

राष्ट्रियैकता एवं जागरूकतासप्ताहः

मुम्बईपरिसरे सरदारवल्लभभाईपटेलमहोदयस्य जन्मदिन-मुपलक्ष्य रष्ट्रियैकता एवं जागरूकतासप्ताहः अक्टोबरमासस्य 25 तः 31 तमदिनाङ्कपर्यन्तं समायोजितः। तत्र प्रतिदिनं विशिष्टः कार्यक्रमः समाचरितः।

शिक्षादिवसः

प्रतिवर्षमिवास्मिन् वर्षेऽपि 11.11.2022 तमे दिनाङ्के भारतस्य प्रथमशिक्षामन्त्रिणः मौलाना अबुल कलाम आजादमहोदयस्य जन्मदिवसमुपलक्ष्य परिसरनिदेशकस्य प्रो. लक्ष्मीनिवासपाण्डेयवर्यस्य आध्यक्ष्ये शिक्षादिवसः समाचरितः।

संविधानदिवसः

विश्वस्मिन् प्रसिद्धस्य भारतीयसंविधानस्य गौरवसमर्पणाय प्रतिवर्षमिव 28.11.2022 तमे दिनाङ्के संविधानदिवसः परिसर-निदेशकस्य प्रो.लक्ष्मीनिवासपाण्डेयवर्यस्य आध्यक्ष्ये समायोजितः।

वीरबालदिवसः

वीरबालदिवसम् उपलक्ष्य भित्तिपत्रनिर्माणस्य प्रतियोगिता अपि आयोजिता।

गङ्गानाथझापरिसरवार्ता

अभिविन्यासकार्यक्रमः

10.10.2022,11.10.2022 दिनाङ्कयोः शोधविकासप्रकोष्ठद्वारा केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य नवीनशोधनीतिम् अधिकृत्य दिवसद्वयात्मकः अभिविन्यासकार्यक्रमः आयोजितः। केन्द्रीयसंस्कृतविश्व-विद्यालयस्य मान्यकुलपतिभिः आचार्यैः श्रीनिवासवरखेडीमहोदयैः कार्यक्रमेऽस्मिन् कुञ्जिकाभाषणं प्रदत्तम्। बहुभिः विद्वद्भिः कार्यक्रमेऽस्मिन् स्वकीयविचाराः प्रकाटिताः।

सम्पन्नः परिचर्चाकार्यक्रमः

01.11.2022 तमे दिनाङ्के संस्कृतसंवर्द्धनप्रतिष्ठानस्य प्रतिनिधिना श्रीलक्ष्मीनरसिंहमहोदयेन साकं परिसरीयाध्यापकानाम् उपवेशनम् अभवत्। उपवेशनेऽस्मिन् परिसरीयपुस्तकालयस्य डिजिटलाइजेशनविषये चर्चा सम्पन्ना।

पाण्डुलिपिकार्यशाला

09.11.2022 दिनाङ्काद् आरभ्य 15.11.2022 पर्यन्तं पाण्डुलिपिविज्ञानकार्यशाला समायोजिता। अस्यां कार्यशालायाम् आचार्याः सिद्धार्थयशवन्तवाकणकरमहाभागाः मुख्यवक्तृरूपेण पाण्डुलिपिविज्ञान-सम्बद्धानि महत्त्वपूर्णानि व्याख्यानानि दत्तवन्तः। कार्यक्रमेऽस्मिन् शताधिकप्रतिभागिनः भागम् अगृह्णन्।

साम्प्रदायिकसद्भावनासप्ताहः

19.11.2022 दिनाङ्काद् आरभ्य 25.11.2022 पर्यन्तं परिसरस्य गङ्गासभागारे साम्प्रदायिक-सद्भावाभियानसप्ताहः समनुष्ठितः। परिसरनिदेशकाः आचार्याः ललितकुमारत्रिपाठिनः भारतवर्षस्य चिरन्तनीं परम्पराम् उदाहृत्य साम्प्रदायिकसद्भावस्य महत्त्वं प्रतिपादितवन्तः।

समाचरितः भारतीयभाषादिवसः

11.12.2022 तमे दिनाङ्के भारतीयभाषादिवसम् उपलक्ष्य एकः कार्यक्रमः आयोजितः। कार्यक्रमेऽस्मिन् परिसरनिदेशकप्रमुखाः परिसरीयाः अध्यापकाः छात्राश्च उपस्थिताः आसन्। प्रातिभासिक-माध्यमेन बहवः शोधच्छात्राः स्वप्रस्तुतिभिः चित्ताकर्षणं कृतवन्तः।

वेदव्यासपरिसरवार्ता

छात्रोपलब्धिः

गोविन्दजीवन- संस्कृतमहाविद्यालये परौरस्थे काङ्गडायां सास्कृतिकच्छात्रविद्वत्समेलने चतुर्दशच्छात्राः प्रतिभागितामकार्षुः। तेषु द्वादशच्छात्राः पुरस्कारान् प्राप्तवन्तः। उत्तरक्षेत्रीयरूपकमहोत्सवे परिसरीयेण नाट्यदलेन साहित्याचार्याणां डॉ. श्यामबाबूवर्याणां मार्गदर्शने जम्मूपरिसरं गत्वा द्वितीयं स्थानमवाप्तम्।

क्रीडास्पर्धायां भागग्रहणम्

परिसरस्य छात्राः राष्ट्रियखोखोस्पर्धायां हिमालचप्रदेशस्य प्रतिनिधित्वमकार्षीत्।

उद्योगोपलब्धिः

परिसरस्य त्रिंशदधिकाः छात्राः शास्त्री-अध्यापकरूपेण (T.G.T.) नियुक्तिमलभन्त।

राष्ट्रियैकतासप्ताहः

26.10.2022 तः 31.10.2022 यावत् परिसरे राष्ट्रियैकतासप्ताहस्यायोजनमभूत्।

जनजातीयगौरवदिवसः

15.11.2022 दिनाङ्के जनजातीयगौरवदिवसस्य आयोजनं परिसरेण समायोजितम्।

जयपुरपरिसरवार्ता

स्वच्छतासप्ताहः

स्वच्छतासप्ताहे स्वच्छताकार्यस्य नेतृत्वं कुर्वती जयपुरपरिसरस्य निदेशकमहोदया प्रो. भगवतीसुदेशः अन्ये च प्राध्यापकाः कर्मचारिणश्च।

सम्माननम्

मध्यप्रदेशशासनस्य प्रतिष्ठितं भोजपुरस्कारं प्राप्तवते परिसरस्य दर्शनशाखायाः युवप्राध्यापकाय डॉ. पवनव्यासाय पुरस्कारं प्रयच्छन्ती परिसरनिदेशकमहोदया प्रो. भगवतीसुदेशः। अवसरेऽस्मिन् गोल्डनबुक ऑफ् रिकार्ड मध्ये स्वनामांकनं कारितवते योगप्राध्यापकस्य डॉ. नवनीतकुमारस्यापि सम्माननं कृतम्।

स्थापनादिवससमारोहः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य स्थापनासप्ताह-समारोहे जयपुरपरिसरे मुख्यातिथित्वेन भाषमाणाः प्रो. वैद्यनाथझामहोदयाः।

राष्ट्रियैकतासप्ताहः

जयपुरपरिसरस्य राष्ट्रीय-सेवायोजनापक्षतः 25.10.2022 तः 31.10.2022 पर्यन्तं राष्ट्रिय-एकता-सप्ताहः समायोजितः। तत्र व्याख्यानकार्यक्रमे राजस्थानविश्वविद्यालयस्य राजनीतिविज्ञानस्य प्राध्यापकः श्याममोहनः अग्रवालः सरदारवल्लभभाईपटेलस्य व्यक्तित्वं कर्तृत्वं चावलम्ब्य भाषणम् अकरोत्।

शिक्षादिवसकार्यक्रमः

जयपुरपरिसरे राष्ट्रियशिक्षादिवसकार्यक्रमः 11.11.2022 तमे दिनाङ्के महता वैभवेन सम्पन्नः। जगद्गुरु-रामानन्दाचार्यराजस्थानसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य कुलपतिः प्रो. रामसेवकदुबे मुख्यातिथिः, सीकरजनपदस्य सांसदः स्वामी सुमेधानन्दसरस्वतीमहोदयः विशिष्टातिथिश्च आसीत्।

जनजातिगौरवदिवसकार्यक्रमः

जयपुरपरिसरे जनजातीयगौरवदिवसकार्यक्रमः 15.11.2022 तमे दिनाङ्के सम्पन्नः। मुख्यातिथिरूपेण राजस्थानविश्वविद्यालयस्य सिण्डिकेट्-सदस्याः प्रो. रामलखनमीनामहाभागः, अध्यक्षरूपेण केन्द्रीयसंस्कृत-विश्वविद्यालयस्य शिक्षाशास्त्रविद्यास्थानाध्यक्षः प्रो. लोकमान्यमिश्रमहाभागः, परिसरनिदेशिका आचार्यभगवती-सुदेशमहोदया च उपस्थिताः आसन्।

गीताजयन्तीसमारोहः

जयपुरपरिसरे श्रीमद्भगवद्गीताजयन्त्युत्सवप्रसंगे समायोजिते विशिष्टव्याख्यान-कार्यक्रमे जयपुरस्थआर्षतीर्थाश्रमस्य महान्तः स्वामिनः श्रीब्रह्मपरानन्दसरस्वतीमहाराजाः गीताजयन्त्युत्सवे जयपुर-परिसरे सर्वैः छात्रैः शिक्षकैश्च सम्भूय श्रीमद्भगवद्गीतायाः सम्पूर्णं पारायणमपि कृतम्।

दिसम्बरमासस्य त्रयोदशदिनाङ्के जयपुरे परिसरक्रीडाप्रांगणे वार्षिकः क्रीडामहोत्सवः सम्पन्नः। अस्मिन् क्रीडामहोत्सवे शारीरिकशिक्षाकेन्द्रपक्षतः विविधाः क्रीडाः सञ्चालिताः।

26.12.2022तमे दिनाङ्के जयपुरपरिसरे वीरबालदिवसे अन्तर्जालमाध्यमेन प्रदर्शिनी उपस्थापिता।

27/12/2022 तमे दिनाङ्के जयपुरपरिसरद्वारा मध्यक्षेत्रीय-रूपकमहोत्सवः इन्दिरागांधीपञ्चायतीराज-विकाससंस्थानस्य रङ्गमञ्चे समायोजितः। अस्मिन् मध्यक्षेत्रीय-रूपकमहोत्सवे षट् रूपकाणि मञ्चितानि।

दिसम्बरमासस्य अष्टाविंशति-नवविंशति-दिनाङ्कयोः राजस्थानराज्यस्तरीय-शास्त्रीय-प्रतिस्पर्धाः समायोजिताः।

दिसम्बरमासस्य नवविंशतिः दिनांके जयपुरपरिसरस्य निदेशकमहोदयायाः प्रो. भगवतीसुदेशमहोदयायाः सौप्रस्थानिककार्यक्रमः महता वैभवेन समायोजितः।

दिसम्बरमासस्य त्रिंशत् दिनाङ्के प्रो. सुदेशकुमारशर्ममहोदयैः जयपुरपरिसरस्य निदेशकपदस्य दायित्वग्रहणं कृतम्।

रणवीरपरिसरवार्ता

राष्ट्रियैकतासप्ताहः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य श्रीरणवीरपरिसरे राष्ट्रीयसेवा-योजना-इकाई इत्यन्तर्गतस्य राष्ट्रीय-एकता-सप्ताहस्य आचरणं 25.10.2022 दिनाङ्कात् 31.10.2022 दिनाकपर्यन्तमभवत्।

राज्यस्तरीयशास्त्रीयस्पर्धा

60तम्या अखिलभारतीयशास्त्रीयस्पर्धायां जम्मूकाश्मीरस्थानां विद्यार्थिनां चयनार्थं केन्द्रीय-संस्कृतविश्वविद्यालयस्य श्रीरणवीरपरिसरेण राज्यस्तरीयस्पर्धाया आयोजनं 09-12-2022 तमे दिनाङ्के जातम्।

राष्ट्रियपोषणमासः

20.09.2022 दिनाङ्के श्रीरणवीरपरिसरे राष्ट्रीयसेवायोजनायाः तत्वावधाने राष्ट्रियपोषणमासस्य आयोजनमभवत्।

कौशलसंवर्धनाय सप्तदिवसीयकौशलसंवर्धनकार्यशाला

परिसरे 16.12.22 तः 26.12.22 पर्यन्तं शिक्षाशास्त्रिच्छात्राणां कृते एषा कार्यशाला आयोजिता। यत्र छात्राः चित्रनिर्माणनृत्यगानसंवादलेखनादीनां स्वीयोत्कृष्टकलानां प्रदर्शनं कृतवन्तः।

राष्ट्रियशिक्षादिवसस्य आयोजनम्

11.11.22 तमे दिनाङ्के परिसरे मौलाना अबुलकलामस्य जन्मदिवसमुपलक्ष्य शिक्षादिवसः समायोज्यत।

भारतीयभाषोत्सवस्य आयोजनम्

11.12.22 तमे महाकविसुब्रह्मण्यभारतिमहोदयस्य जयन्त्युत्सवे छात्राः विविधक्षेत्रभाषाणां व्यवहारं पारम्परिकवेशभूषाणां धारणं चाकुर्वन्।

राष्ट्रियजनजातीयगौरवदिवसः

भगवतः श्रीबिरसामुण्डामहोदयस्य जन्मोत्सवे राष्ट्रियजनजातीयगौरवदिवसः परिसरे 15.11.22 तमे दिनाङ्के समायोजितः।

संस्कृतापणस्यायोजनम्

29.11.22 तमे दिनाङ्के जम्मूनगरस्य वेयरहाउसस्थाने श्रीरणवीरपरिसरः, वेयरहाउसव्यापारसंघः, चूडामणिसंस्कृतसंस्थानम्, कैलखज्योतिषशोधसंस्थानं चेति संस्थाभिः संस्कृतमयस्य आपणस्य आयोजनं कृतम्।

रूपकमहोत्सवस्यायोजनम्

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालये श्रीरणवीरपरिसरे ई. 2022 तमवर्षस्य दिसम्बरमासस्य अष्टविंशे दिनाङ्के केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य मुख्यालयेन संकल्पितस्य उत्तरक्षेत्रीय-रूपकमहोत्सवस्य आयोजनम् अभवत्।

श्रीसदाशिवपरिसरवार्ता

छात्रोपलब्धयः

हरिहरानंदाश्रमे पुरीनगर्याम् आयोजित-जिला-स्तरीय-गीतापाठ- प्रतियोगितायां पुरस्कारभाजः परिसरीयच्छात्राः। मनीषा साहु शास्त्री द्वितीय वर्ष, साहित्य विभागस्य छात्रा सकाळ (Local Daily Newspaper) पक्षतः आयोजितायां भाषणस्पर्धायां प्रथमस्थानं प्राप्तवती।

स्थापनासप्ताहसमारोहः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः 10.10.2022 दिनाङ्कतः 15.10.2022 दिनाङ्कं यावत् स्थापना-सप्ताहसमारोहं परिपालयति। सन्दर्भेस्मिन् ओडिशाराज्यस्य पुरीनगरे श्रीसदाशिवपरिसरे मान्यमान्यानां निदेशक-

वर्याणां प्रो. खगेश्वरमिश्रमहोदयानां तत्त्वावधानेन तथा च डॉ. सुशान्तकुमाररायवर्यस्य संयोजकत्वे श्रीरमाकान्तसा-वर्यस्य सहसंयोजकत्वे 12.10.2022 दिनाङ्के परिसरस्य श्रीजयदेवसभागारे प्रत्यक्षरूपेण आभासीयरूपेण च प्रतिष्ठासप्ताहसमारोहस्य तृतीयदिवसः तथा च विशिष्टव्याख्यानं महोत्साहेन परिपालितम्।

राष्ट्रियैकतासप्ताहः

श्रीसदाशिवपरिसरे 25-31 अक्टूवर 2022 दिनाङ्केषु डॉ. विश्वरञ्जनपति-डॉ.ओमनारायण-मिश्रमहोदययोः संयोजकत्वे राष्ट्रीय-एकता-सप्ताहः परिपालितः।

सतर्कता-जागरूकता-सप्ताहः

परिसरेऽस्मिन् विकसितराष्ट्रनिर्माणे भ्रष्टाचारमुक्तभारतम् इत्यर्थं नागरिकेभ्यः सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा कारिता। तत्र परिसरस्य शैक्षिक-कार्यालयसदस्याः छात्राः सम्मिलिताः आसन्। परिसरनिदेशकस्य प्रो. खगेश्वरमिश्रमहोदयस्य आध्यक्ष्ये डॉ. विश्वरंजनपति-डॉ. सुव्रतषडङ्गिमहोदययोः संयोजकत्वे कार्यक्रमः सम्पादितः।

MIME-कार्यशाला

श्रीसदाशिवपरिसरे 25.11.2022 दिनाङ्के मुम्बाईस्थः प्रसिद्धः MIME अभिनेता निर्देशकः श्रीमान् कमल-नस्कार-महोदयः छात्रणां कृते अभिनयकौशलवर्धनाय कथं केन प्रकारेण आंगिकाभिनयेन सह सात्त्विकाभिनयः करणीयः इति प्रशिक्षितवान्। अस्यां कार्यशालायां मुख्यातिथिरूपेण श्रीरणवीरपरिसरस्य निदेशकः प्रो.मदनमोहनझा-महोदयः समुपस्थितवान्। परिसरनिदेशकः प्रो. खगेश्वरमिश्रमहोदयः आध्यक्षपदम् अलङ्कृतवान्।

भारतीयभाषा-उत्सवः

श्रीसदाशिवपरिसरे 9-11 दिसम्बर 2022 दिनाङ्केषु भारतीय-भाषा-उत्सवः आर. बालमुरुगन्महोदयस्य संयोजकत्वे परिपालितः। तत्र भाषा विविधा भावस्तु समानः इति विषयम् अधिकृत्य भाषणस्पर्धा आयोजिता।

छात्रजागरूकताकार्यक्रमः

परिसरेऽस्मिन् 10.11.2022 दिनाङ्के छात्राणां कृते जागरूकताकार्यक्रमः आयोजितः। तत्र प्रत्यक्षकर और राष्ट्रनिर्माण में उसकी भूमिका इतिविषये श्रीमतः दिनबन्धुस्वाईं-महोदयस्य (Income Tax officer, MSTIS, PURI) विशिष्टं व्याख्यानम् आयोजितम्।

रुधिरदानशिविरम्

परिसरे 07.12.2022 दिनाङ्के डॉ. विश्वरंजनपति-श्रीविश्वनाथमिश्रमहोदययोः संयोजकत्वे समर्पण-निर्माल्यसंस्थाभ्यम् आयोजिते रुधिरदानशिविरे 57 UNIT रुधिरसंग्रहणम् जातम्।

क्षेत्रीयस्तररूपकमहोत्सवः

श्रीसदाशिवपरिसरे 16.12.2022 क्षेत्रीयस्तरः रूपकमहोत्सवः महताडम्बरेण समायोजितः। राजकुमारी-गणेशशर्मा-आदर्शसंस्कृत-विद्यापीठम्, दरभङ्गा (विहारः),विक्रमकिशोरआदर्शसंस्कृत-महाविद्यालयः, पूर्वमेदिनीपुरम् (पश्चिमबंगालः), एकलव्यपरिसरः (अगरतला), श्रीसदाशिवपरिसरः (पुरी) इति चत्वारि नाट्यदलानि समागतानि। तेषु च श्रीसदाशिवपरिसरः प्रथमस्थानम्, एकलव्यपरिसरः द्वितीयस्थानम्, विक्रमकिशोरआदर्श-संस्कृतमहाविद्यालयः च तृतीयस्थानम् अलंकृतवन्तः।

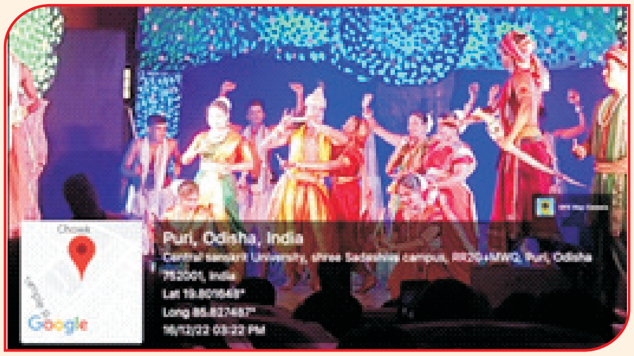

लखनऊपरिसरवार्ता

राष्ट्रियैकतासप्ताहकार्यक्रमः

31अक्टूबर 2022 तमे दिनाङ्के राष्ट्रीय-एकता-सप्ताहमुपलक्ष्य "सरदार वल्लभभाई पटेल और राष्ट्रीय एकता" इति विषये राष्ट्रिय-एकता-शपथग्रहणं तथा च तत्र प्रो. मदनमोहनपाठकवर्याणां एकतायाः वर्तमानसन्दर्भे प्रासंगिकत्वमित्यादिविषयसंवलितं विशिष्टव्याख्यानं सम्पन्नम्।

जनजातीयगौरवदिवसकार्यक्रमः

5 नवम्बर 2022 तमे दिनाङ्के लखनऊपरिसरे जनजातीयगौरवदिवसकार्यक्रमस्य आयोजनं सम्पन्नम्। कार्यक्रमेस्मिन् संस्कृतभाषणप्रतिस्पर्धायां लखनऊपरिसरस्य व्याकरणविभागाध्यक्षः प्रो. भारतभूषणत्रिपाठीवर्याः आध्यक्ष्यं निरवहन्।

पाठ्यक्रमनिर्माणकार्यशाला

21-25 नवम्बर 2022 दिनाङ्के राष्ट्रियशिक्षानीत्यनुसारं नूतनपाठ्यक्रमाय अन्तिमं रूपं प्रदातुं तृतीयपाठ्यक्रमनिर्माणकार्यशालायां नूतनशिक्षानीतेः किमुपयोगित्वं प्रासंगिकत्वं चेति विषये विद्वद्भिः स्वमतानि प्रकटितानि। नूतनशिक्षानीतेः महत्वं च निरूपितम्। अत्र लखनऊपरिसरनिदेशकाः प्रो. सर्वनारायणझामहोदयाः अध्यक्षाः आसन्, प्रो. बनमालीविसुवालमहोदयानां महनीयोपस्थितिरासीत्।

भगवद्गीताजयन्तीसप्ताहमहोत्सवः

परिसरीयैः छात्रैः प्राध्यापकैश्च श्रीमद्भगवद्गीतायाः पारायणमकारि। महोत्सवेस्मिन् द्वितीयदिवसे लखनऊपरिसरस्य निदेशकैः प्रो. सर्वनारायणझावर्यैः श्रीमद्भगवद्गीतायाः मानवजीवन-प्रबन्धन-प्रौद्योगिकी च इति विषये विशिष्टव्याख्यानं प्रस्तुतम्।

राज्यस्तरीयशास्त्रीयस्पर्धा

17-18 दिसम्बर 2022 दिनाङ्के लखनऊपरिसरे उत्तरप्रदेश-प्रान्तीयशास्त्रीयस्पर्धा-समायोजिता। उद्घाटनसत्रे डा. ध्रुवकान्तठाकुरः आई. पी.एस. मुख्यातिथित्वेन उपस्थाय पारम्परिकशास्त्राध्ययनेन प्राशासनिकक्षेत्रेषु महत्सौविध्यं जायते, तदर्थं केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य पाठ्यक्रमः नितान्तः समुचितः, इत्यादिविषयान् प्रतिपादितवान्।

रघुनाथकीर्तिपरिसरवार्ता

छात्रोपलब्धिः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्यश्रीरघुनाथकीर्त्तिपरिसरस्य नाट्यगणेन जम्मूपरिसरे रूपकमहोत्सवे सान्त्वनापुरस्कारः प्राप्तः।

राष्ट्रियैकतासप्ताहः

श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरे देवप्रयागे 31.10.2022दिनांके निदेशकानां प्रो. एम. चन्द्रशेखर महोदयानां सान्निध्ये परिसरप्राध्यापकैः, प्राध्यापिकाभिः छात्रैः छात्राभिश्च राष्ट्रियैकतादिवसे एकताप्रतिज्ञा स्वीकृता।

मन्त्रिमहोदयेन परिसरनिरीक्षणम्

09.11.2022 दिनाङ्के उत्तराखण्डसर्वकारस्य माननीयमन्त्री चन्दनराम दास महोदयः परिसरं गत्वा परिसरस्य निदेशकेन, शिक्षकैः, कर्मचारिभिः सह निर्माणकार्यस्य प्रगतिविषये चर्चां कृतवान्।

भगवद्गीताजयन्तीकार्यक्रमः

श्रीमद्भगवद्गीताजयन्तीसप्ताहोत्सवे परिसरेभगवद्गीतापाठः निदेशकानां प्रो. एम. चन्द्रशेखर-महोदयानां सान्निध्ये परिसरप्राध्यापकैः, प्राध्यापिकाभ्यां छात्रैः छात्राभिश्च कृतः।

नूतनप्रकाशनानि

मुख्यपरामर्शदाता

प्रो. श्रीनिवासवरखेडी

कुलपतिः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली

सम्पादकौ

डॉ. मधुकेश्वरभट्टः

डॉ. अजयकुमारमिश्रः

प्रकाशकः

कुलसचिवः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

(संसदः अधिनियमेन स्थापितः)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल् एरिया, जनकपुरी,
नवदेहली-110058

011-28524993, 28521994, 28520977

emial : registrar@csu.co.in
website : www.sanskrit.nic.in